



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 159]
No. 159]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 17, 1983/भाद्र 26, 1905
NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1983/BHADRA 26, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

निर्वात व्यापार निबंधन

सार्वजनिक सूचना सं 42-ईटीसी(पीएन)/83

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1983

विषय —1983-84 वर्ष के लिए रेशम के अपक्षेप के लिए नियति
नीति ।

मि सं 2/19 33-ई-1 —1983-84 के लिए आयात-
नियति नीति (जिल्द-2) की पृष्ठ सं 22 पर की क्रम सं 62(3)
(ग) के सामने के कालम 2 की क्रम सं. (2) में संकेतित साफ
किए हुए और डिग्रेड रेशम अपक्षेप सहित शहतूत के रेशम के
अपक्षेप की नियति नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है । यह
स्पष्ट किया जाता है कि चरखा अपक्षेप के नियति के लिए
पात्रता प्राप्त करने के लिए स्पिन सिस्के मिलों को सम्भरण किए
जाने वाले रेशम अपक्षेप में दोनों उत्तम कटोरी बेसिन अपक्षेप
3 थर्न-शहतूत कटोरी बेसिन घरेलू ऊरखी के अपक्षेप और चरखा
अपक्षेप भी शामिल होंगे। सरकारी स्पिन सिस्के मिलों द्वारा
किसी भी विस्म के रेशम अपक्षेप की मजरी सम्भरण की 4-1
के अनुपात में चरखे के रेशम अपक्षेप के नियति के लिए हकदार
बनाएगी । तदनुसार नीति विवरण की क्रम सं 62 (3) (ग)

के सामने के कालम 3 की क्रम सं (2) पर की वर्तमान लाइसेंस
नीति को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा —

“(2) शहतूत के रेशम अपक्षेप और संसाधित रेशम अप-
क्षेप से भिन्न चरखे के शहतूत रेशम अपक्षेप के संबंध
में 4-1, अर्थात् सरकारी स्पिन सिस्के मिलों की
1 किलोग्राम रेशम अपक्षेप अर्थात् शहतूत कटोरी
बेसिन/घरेलू ऊरखी अपक्षेप/या चरखा अपक्षेप के
सम्भरण के मद्दे सम्भरण को संसाधित रेशम से
भिन्न 4 कि ग्रा शहतूत के रेशम अपक्षेप का
नियति करने का हक होगा ।”

2 यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यदि क्रम सं 62(3)
(ग) (4) के सामने निर्दिष्ट एव वर्ग की हकदारी लाइसेंस वर्ष
की समाप्ति से आगे जब सम्भरण किया जाए तब तक बढ़ाई जाती
है तो नियंतृकों को यह हक होगा कि वह अगली लाइसेंस अवधि
के दौरान भी उसी अनुपात में रेशम के अपक्षेप का नियति कर सक
जो अनुपात उस वर्ग के दौरान लागू था जिसमें रेशम की मिलों को
सम्भरण किया गया था बशर्ते कि ठका बहो हो और माल
परपण के पोतलदान के लिए प्रतीक्षा की जा रही हो जैसा कि
सार्वजनिक सूचना सं 32-ई टी सी (पी एन)/83 दिनांक
25-7-1983 में बताया गया है ।

आनन्द मरगा अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 42-ETC(PN)/83

New Delhi, the 17th September, 1983

Subject :—Export Policy for Silk Waste for the year 1983-84.

F.No.2/19/83-EI :—Attention is invited to the Export Policy of Mulberry Silk Waste including cleaned and degummed Silk Waste indicated at S. No. (ii) in column 3 against S. No. 62(iii)(c) at page 22 of Volume-II of Import and Export Policy 1983-84. It is clarified that the "Silk Waste" to be supplied to the Spun Silk Mills for acquiring eligibility to export Charkha Waste, will include both superior cottage basin waste viz., Mulberry Cottage Basin/Domestic Filature waste and Charkha waste. Acceptance of any variety of Silk Waste by the Government Spun Silk Mills will entitle the supplier to export Charkha Silk Waste in the ratio of 4 : 1. Accordingly the existing licensing policy at S. No. (ii) indicated in Col. 3 against

S. No. 62(iii)(c) of the Policy Statement shall be substituted by the following :—

"(ii) 4 : 1 in respect of Mulberry Charkha Silk Waste, other than Mulberry Silk Waste and processed Silk Waste i.e. against the supply of 1 kg. of Silk Waste viz. Mulberry Cottage basin/domestic filature waste and/or Charkha Waste to the Government Spun Silk Mills, the supplier will be entitled to export 4 kg. of Mulberry Charkha Silk Waste other than processed Silk Waste."

2. It is also clarified that if the one year entitlement indicated at S. No. 62(iii)(c)(iv) extends beyond the expiry of licensing year, when the supply was made, the exporter shall be entitled to export Silk Waste even during the next licensing period at the same ratio which was applicable during the year when supply was made to the Silk Mills provided the contract is the same, and consignment is awaiting shipment as per Public Notice No. 32-ETC(PN)/83 dated 25-7-1983.

ANAND SARUP, Addl. Secy.